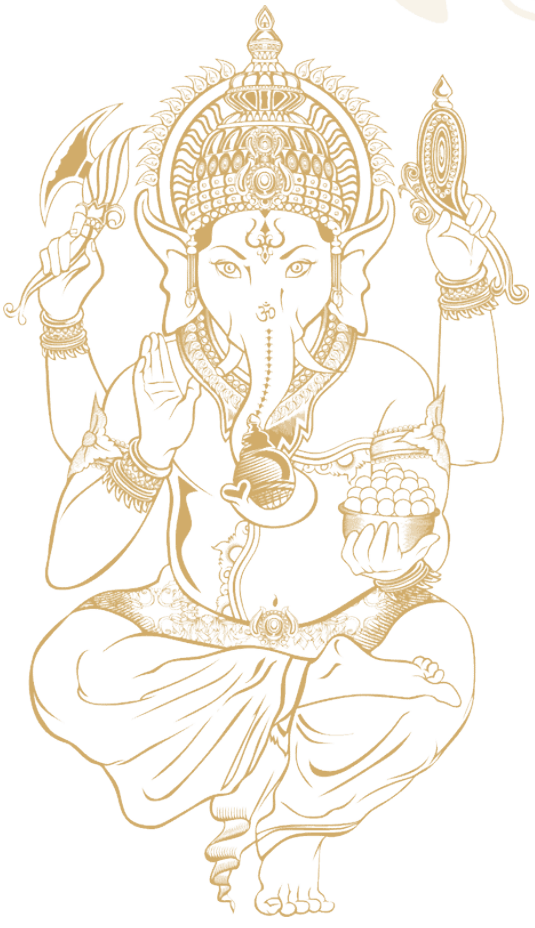

Kirti

16 Oct 2003

06:20 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119794511

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/10/2003	जन्म तिथि	**16/10/2025**
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 18:20:00	जन्म समय	09:34:37 घंटे
घटी 29:54:07	जन्म समय(घटी)	07:59:38 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:22:21	सूर्योदय	06:22:45
17:50:59	सूर्यास्त	17:50:18
23:54:21	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:06

मेष	लग्न	वृश्चिक
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मिथुन	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
आर्द्रा	नक्षत्र	आश्लेषा
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	4
परिघ	योग	शुभ
वणिज	करण	विष्टि
कू-कुणाल	जन्म नामाक्षर	डो-डौली
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
श्वान	योनि	मार्जार
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	श्वान
22	गत/तत्कालिक वर्ष	23

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अश्विनी	3	09:46:25	मेष			लग्न			वृश्चि	09:07:22	2	अनुराधा
चित्रा	2	28:50:05	कन्या			सूर्य			कन्या	28:50:05	2	चित्रा
आर्द्रा	1	06:40:06	मिथु			चंद्र			कर्क	28:19:52	4	आश्लेषा
शतभिषा	1	08:35:25	कुंभ			मंगल			तुला	22:05:35	1	विशाखा
हस्त	4	22:33:17	कन्या		अ	बुध			तुला	19:27:32	4	स्वाति
पू०फाल्गुनी	1	16:27:29	सिंह			गुरु			मिथु	29:48:28	3	पुनर्वसु
स्वाति	3	14:29:07	तुला			शुक्र			कन्या	08:36:54	4	उ०फाल्गुनी
आर्द्रा	4	19:15:01	मिथु			शनि	व		मीन	02:27:44	4	पू०भाद्रपद
कृतिका	1	26:47:39	मेष			राहु			कुंभ	23:43:50	2	पू०भाद्रपद
विशाखा	3	26:47:39	तुला			केतु			सिंह	23:43:50	4	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	4	05:12:25	कुंभ	व		मु			कुंभ	09:46:25	1	शतभिषा

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

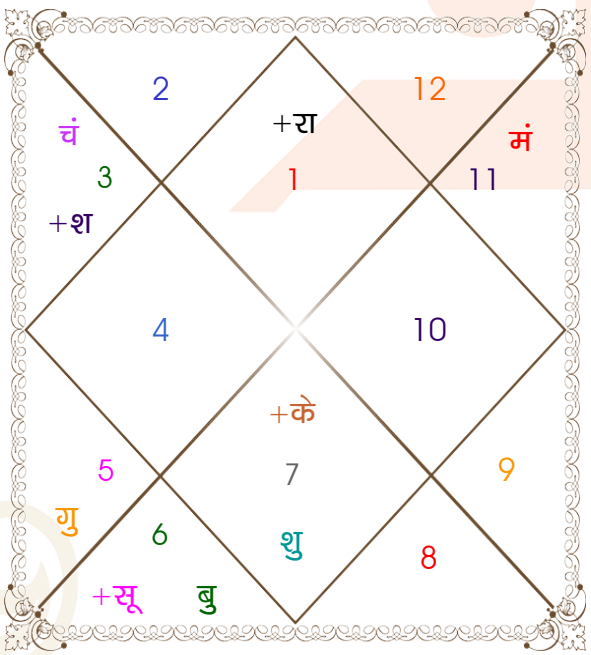

वर्ष लग्न कुंडली

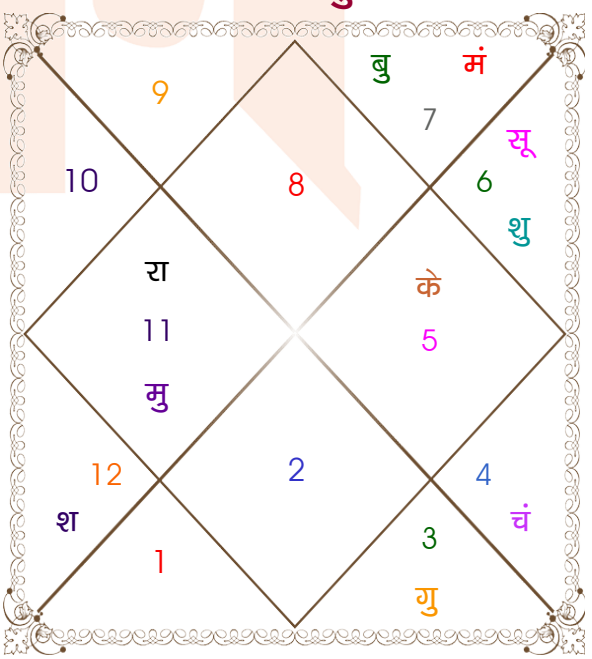

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शनि - राहु	
26/09/2025 19:02	
12/02/2026 14:07	
राहु	17/10/2025 14:42
गुरु	05/11/2025 02:50
शनि	27/11/2025 02:16
बुध	16/12/2025 18:10
केतु	24/12/2025 20:29
शुक्र	16/01/2026 23:39
सूर्य	23/01/2026 22:13
चंद्र	04/02/2026 11:48
मंगल	12/02/2026 14:07

गुरु - शनि - गुरु	
12/02/2026 14:07	
15/06/2026 23:04	
गुरु	01/03/2026 00:55
शनि	20/03/2026 13:44
बुध	07/04/2026 01:12
केतु	14/04/2026 05:55
शुक्र	04/05/2026 19:25
सूर्य	10/05/2026 23:28
चंद्र	21/05/2026 06:12
मंगल	28/05/2026 10:56
राहु	15/06/2026 23:04

गुरु - बुध - बुध	
15/06/2026 23:04	
11/10/2026 05:56	
बुध	02/07/2026 13:51
केतु	09/07/2026 10:03
शुक्र	28/07/2026 23:11
सूर्य	03/08/2026 19:56
चंद्र	13/08/2026 14:30
मंगल	20/08/2026 10:42
राहु	07/09/2026 00:56
गुरु	22/09/2026 16:15
शनि	11/10/2026 05:56

गुरु - बुध - केतु	
11/10/2026 05:56	
28/11/2026 13:00	
केतु	14/10/2026 01:33
शुक्र	22/10/2026 02:43
सूर्य	24/10/2026 12:41
चंद्र	28/10/2026 13:16
मंगल	31/10/2026 08:53
राहु	07/11/2026 14:44
गुरु	14/11/2026 01:17
शनि	21/11/2026 16:48
बुध	28/11/2026 13:00

गुरु - बुध - शुक्र	
28/11/2026 13:00	
15/04/2027 12:36	
शुक्र	21/12/2026 12:56
सूर्य	28/12/2026 10:30
चंद्र	08/01/2027 22:28
मंगल	16/01/2027 23:39
राहु	06/02/2027 16:23
गुरु	25/02/2027 01:56
शनि	18/03/2027 22:16
बुध	07/04/2027 11:25
केतु	15/04/2027 12:36

गुरु - बुध - सूर्य	
15/04/2027 12:36	
26/05/2027 22:04	
सूर्य	17/04/2027 14:16
चंद्र	21/04/2027 01:04
मंगल	23/04/2027 11:01
राहु	29/04/2027 16:02
गुरु	05/05/2027 04:30
शनि	11/05/2027 17:48
बुध	17/05/2027 14:33
केतु	20/05/2027 00:30
शुक्र	26/05/2027 22:04

गुरु - बुध - चंद्र	
26/05/2027 22:04	
03/08/2027 21:52	
चंद्र	01/06/2027 16:03
मंगल	05/06/2027 16:39
राहु	16/06/2027 01:01
गुरु	25/06/2027 05:47
शनि	06/07/2027 03:57
बुध	15/07/2027 22:32
केतु	19/07/2027 23:07
शुक्र	31/07/2027 11:05
सूर्य	03/08/2027 21:52

गुरु - बुध - मंगल	
03/08/2027 21:52	
21/09/2027 04:56	
मंगल	06/08/2027 17:29
राहु	13/08/2027 23:21
गुरु	20/08/2027 09:53
शनि	28/08/2027 01:24
बुध	03/09/2027 21:36
केतु	06/09/2027 17:13
शुक्र	14/09/2027 18:24
सूर्य	17/09/2027 04:21
चंद्र	21/09/2027 04:56

गुरु - बुध - राहु	
21/09/2027 04:56	
23/01/2028 09:22	
राहु	09/10/2027 20:00
गुरु	26/10/2027 09:24
शनि	15/11/2027 01:18
बुध	02/12/2027 15:31
केतु	09/12/2027 21:23
शुक्र	30/12/2027 14:07
सूर्य	05/01/2028 19:09
चंद्र	16/01/2028 03:31
मंगल	23/01/2028 09:22

गुरु - बुध - गुरु	
23/01/2028 09:22	
12/05/2028 18:39	
गुरु	07/02/2028 02:37
शनि	24/02/2028 14:05
बुध	11/03/2028 05:24
केतु	17/03/2028 15:56
शुक्र	05/04/2028 01:29
सूर्य	10/04/2028 13:57
चंद्र	19/04/2028 18:43
मंगल	26/04/2028 05:16
राहु	12/05/2028 18:39

गुरु - बुध - शनि	
12/05/2028 18:39	
20/09/2028 20:40	
शनि	02/06/2028 12:46
बुध	21/06/2028 02:28
केतु	28/06/2028 17:59
शुक्र	20/07/2028 14:19
सूर्य	27/07/2028 03:37
चंद्र	07/08/2028 01:47
मंगल	14/08/2028 17:18
राहु	03/09/2028 09:12
गुरु	20/09/2028 20:40

गुरु - केतु - केतु	
20/09/2028 20:40	
10/10/2028 17:56	
केतु	22/09/2028 00:31
शुक्र	25/09/2028 08:04
सूर्य	26/09/2028 07:55
चंद्र	27/09/2028 23:42
मंगल	29/09/2028 03:32
राहु	02/10/2028 03:07
गुरु	04/10/2028 18:45
शनि	07/10/2028 22:19
बुध	10/10/2028 17:56

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आपके लिए समय अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगी फलतः आप में दुर्बलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। अतः आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को पूर्ण करने में असमर्थ रहेंगी। इस समय आपके हृदय में व्याकुलता रहेगी फलतः मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित रहेंगी तथा वे समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आपको काफी परेशानी तथा असुविधा उत्पन्न होगी। इस वर्ष में आपके सामाजिक मान सम्मान में भी न्यूनता के अवसर आ सकते हैं।अतः ऐसे अवसरों की यत्नपूर्वक आपको उपेक्षा करनी चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र में भी आपकी स्थिति सन्तोष जनक नहीं रहेंगी।राजनीति या नौकरी में आपके वरिष्ठ सहयोगी या उच्चाधिकारी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः कार्य क्षेत्र में पदोन्नति संबधी व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही नौकरी आदि छूटने का भी भय रहेगा।व्यापार आदि में भी इस समय आपके लाभ मार्ग अवरुद्ध रहेंगे फलतः कारोबार में कमी रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी। इस समय बेरोजगारों को कार्य मिलने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। अतः इस वर्ष संघर्ष के लिए तत्पर रहें तथा संयमपूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।